A **(Printed Pages 3)**

Roll No._____

AS-2163

एम. ए. (द्वितीय सेमेस्टर) परीक्षा, 2015

हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

(भारतीय काव्यशास्त्र)

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 10×3=30

   (क) 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' का सम्यक् विश्लेषण कीजिए।

   (ख) 'काव्यशोभाकरान् धर्मानलङ्कारान् प्रचक्षते' की व्याख्या कीजिए।

   (ग) 'काव्य हेतुओं की विवेचना कीजए।

P.T.O.

(घ) 'काव्य में साधारणीकरण' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'समीक्षा' की प्रकृति पर प्रकाश डालिए।

(च) रस निष्पत्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) शब्दालंकार और अर्थालंकार का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ज) ओज काव्य-गुण की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

(झ) अभिधा शब्द शक्ति का संक्षेप में परिचय दीजिए।

(ञ) रीतिकालीन काव्यशास्त्रीय आचार्यों का नामोल्लेख कीजिए।

इकाई - एक

2. 'काव्य प्रयोजन' के सम्बन्ध में आचार्य मम्मट की मान्यताओं का विवेचना कीजिए। 10

3. रस के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए काव्य में रस की उपादेयता पर प्रकाश डालिए। 10

इकाई - दो

4. 'रीति' का अर्थ स्पष्ट कीजिए और रीति के भेदों पर प्रकाश डालिए। 10

5. वक्रोक्ति सिद्धान्त का परिचय देते हुए उसके भेदों की विवेचना कीजिए। 10

इकाई - तीन

6. 'शब्द शक्ति' के अर्थ का उद्‌घाटन करते हुए किसी एक शब्द शक्ति के विस्तारपूर्वक विश्लेषण कीजिए। 10

7. औचित्य सिद्धान्त का सविस्तार वर्णन कीजिए। 10

इकाई - चार

8. 'आचार्य केशव की अलंकार योजना' पर एक समीक्षात्मक निबन्ध लिखिए। 10

9. आलोचक के रूप में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के प्रदेय पर प्रकाश डालिए। 10